

क्षितिज

[काव्य खंड]

कविता 1 : सूरदास

1. 'सूरदास के पद' के आधार पर लिखिए कि उद्धव गोपियों की मनोदशा क्यों नहीं समझ सके?
2. गोपियों द्वारा उद्धव को भाग्यवान कहने में क्या व्यंग्य निहित है?
3. उद्धव के व्यवहार की तुलना किस-किस से की गई है?
4. उद्धव द्वारा दिए गए योग के संदेश ने गोपियों की विरहाग्नि में घी का काम कैसे किया?
5. कृष्ण के प्रति अपने अनन्य प्रेम को गोपियों ने किस प्रकार अभिव्यक्त किया है?
6. 'तेल की गागर' के दृष्टांत के माध्यम से कवि क्या भाव प्रकट करना चाहता है।
7. गोपियाँ यह क्यों कहती हैं कि श्रीकृष्ण ने राजनीति पढ़ ली है?
8. 'सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यों करुई ककरी'- पंक्ति में गोपियों के कैसे मनोभाव दर्शाए गए हैं?
9. सूरदास के भ्रमरगीत की मुख्य विशेषताएँ बताइए।
10. 'सूरदास अब धीर धरहिं क्यों, मरजादा न लही' - भाव स्पष्ट कीजिए।
11. सूरदास रचित पदों के आधार पर गोपियों की वाक्-चातुर्य की विशेषताओं का उल्लेख करें।

कविता 2 : राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद

1. परशुराम ने धनुष तोड़ने वाले के विषय में पूछा तो श्रीराम ने 'धनुष मेरे द्वारा टूट गया है' सीधा उत्तर न देकर ऐसा क्यों कहा कि धनुष तोड़ने वाला आपका कोई दास होगा?
2. परशुराम के क्रोध करने पर राम और लक्ष्मण की जो प्रतिक्रियाएँ हुईं उनके आधार पर दोनों के स्वभाव की विशेषताएँ अपने शब्दों में लिखिए।
3. पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए-
गाधिसू नु कह हृदय हसि मुनिहि हरियरे सूझ।
अयमय खाँड न ऊखमय अजहुँ न बूझ अबूझ।।
4. 'धनुष को तोड़ने वाला कोई तुम्हारा दास होगा' - के आधार पर राम के स्वभाव पर टिप्पणी कीजिए।
5. काव्यांश के आधार पर परशुराम के स्वभाव की दो विशेषताओं पर सोदाहरण टिप्पणी कीजिए।
6. 'साहस और शक्ति के साथ विनम्रता हो तो बेहतर है' - इस कथन पर अपने विचार 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' कविता के आलोक में लिखिए।
7. 'असमय खाँड न ऊखमय' से क्या अभिप्राय है?
8. 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' में किस गुरु ऋण की बात की गई है और उसे लक्ष्मण ने किस प्रकार चुकाने का सुझाव दिया है?
9. लक्ष्मण 'कुम्हड़बतिया' और 'तरजनी' के उदहारण से अपनी किस बात को सिद्ध करना चाहते हैं और क्यों?
10. गाधिसुत किसे कहा गया है? वे मुनि की किस बात पर मन ही मन मुस्कुरा रहे थे?
11. परशुराम के क्रोध का मूल कारण क्या था? स्पष्ट कीजिए।

कविता 3 : उत्साह/अट नहीं रही है

1. कविता में बादल किन-किन अर्थों की ओर संकेत करता है?
2. कवि बादल से फुहार, रिमझिम या बरसने के स्थान पर 'गरजने' के लिए कहता है, क्यों?
3. कवि की आँख फागुन की सुंदरता से क्यों नहीं हट रही है?
4. प्रस्तुत कविता में कवि ने प्रकृति की व्यापकता का वर्णन किन रूपों में किया है?
5. 'उत्साह' कविता में नवजीवन वाले किस को कहा गया है और क्यों?
6. आशय स्पष्ट कीजिए- 'वज्र छिपा, नूतन कविता भर दो।'
7. 'अट नहीं रही है' कविता में चारों ओर छाई सुंदरता देखकर कवि क्या करना चाहता है?
8. फागुन में ऐसा क्या है जो बाकि ऋतुओं से भिन्न है? 'अट नहीं रही' कविता के आधार पर बताएँ।
9. अट नहीं रही कविता में किस ऋतु का वर्णन है और कौन-सी चीज है, जो अट नहीं रही है?

कविता 4 : यह दंतुरित मुस्कान/फसल

1. बच्चे की दंतुरित मुस्कान का कवि के मन पर क्या प्रभाव पड़ता है?
2. भाव स्पष्ट कीजिए - 'छोड़कर तालाब मेरी झोपड़ी में खिल रहे जलजात'।
3. भाव स्पष्ट कीजिए - 'छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शेफालिका के फूल बाँस था कि बबूल'?
4. कवि ने शिशु की माँ को धन्य क्यों कहा है?
5. बच्चे की मुस्कान मृतक में भी जान कैसे डाल देती है?
6. बच्चे की मुस्कान और एक बड़े की मुस्कान में क्या अंतर है? मुस्कान के लिए 'दंतुरित' विशेषण का प्रयोग क्यों किया गया है?

7. कवि ने बच्चे की मुस्कान को दंतुरित क्यों कहा है?
8. कविता में फसल उपजाने के लिए आवश्यक तत्वों की बात कही गई है। वे आवश्यक तत्व कौन-कौन से हैं?
9. 'फसल' कविता में हाथों के स्पर्श की गरिमा' किसे कहा गया है?
10. फसल को 'हाथों के स्पर्श की गरिमा' और 'महिमा' कहकर कवि क्या व्यक्त करना चाहता है?
11. नदियों का पानी जादू का काम कैसे करता है?
12. कवि के अनुसार फसल क्या है?
13. 'रूपांतर है सूरज की किरणों का सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का' पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए।
14. मिट्टी का गुणधर्म क्या होता है? हम उस गुणधर्म की रक्षा कैसे कर सकते हैं?

कविता 5 : छाया मत छूना

1. 'छाया' शब्द यहाँ किस संदर्भ में प्रयुक्त हुआ है? कवि ने उसे छूने के लिए मना क्यों किया है?
2. 'जो न मिला भूल उसे कर तू भविष्य वरन' - कथन में कवि की वेदना और चेतना कैसे व्यक्त हो रही है?
3. 'छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी' का क्या तात्पर्य है?
4. 'कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी' में कवि को कौन-सी यादें कचोटती हैं?
5. 'मृगतृष्णा' से क्या अभिप्राय है, कविता में मृगतृष्णा किसे कहा गया है? या 'मृगतृष्णा' से क्या अभिप्राय है? उसके पीछे क्यों नहीं भागना चाहिए? या 'छाया मत छूना' कविता में 'मृगतृष्णा' का प्रयोग किस अर्थ में हुआ है?
6. 'देह सुखी होने पर भी मन के दुःख का अंत नहीं' कथन का भाव स्पष्ट कीजिए।
7. 'क्या हुआ जो खिला फूल रस-वसंत जाने पर?'- पंक्ति का भाव स्पष्ट करें।

8. मनुष्य अतीत में खोए रहने के कारण दुखी रहता है। आपके विचार में दुःख के और क्या कारण हो सकते हैं? या 'छाया मत छूना' कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए कि अतीत के सुखों की स्मृति में डूबे रहने से जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है?
9. 'छाया मत छूना' कविता के आधार पर दुःख के कारण बताइए।
10. 'छाया मत छूना' कविता में कवि यथार्थ पूजन की बात क्यों कहता है?
11. 'हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है' पंक्ति में कवि ने जीवन का कौन-सा यथार्थ प्रस्तुत किया है? व्यक्ति उस यथार्थ को कैसे झेल सकता है?

कविता 6 : कन्यादान

1. आपके विचार से माँ ने ऐसा क्यों कहा कि लड़की होना पर लड़की जैसी मत दिखाई देना?
2. 'आग रोटियाँ सेंकने के लिए है। जलने के लिए नहीं'- इन पंक्तियों में समाज में स्त्री की किस स्थिति की ओर संकेत किया गया है?
3. माँ का कौन-सा दुःख प्रामाणिक था, कैसे?
4. 'बेटी अभी सयानी नहीं थी'- में माँ की चिंता क्या है? 'कन्यादान' कविता के आधार पर लिखिए। या 'बेटी अभी सयानी नहीं थी'- कन्यादान कविता के आधार पर प्रस्तुत पंक्तियों में अभिव्यक्त माँ की चिंता का कारण लिखिए।
5. 'कन्यादान' कविता में बेटी को 'अंतिम पूँजी' क्यों कहा गया है?
6. कविता में वस्त्रों और आभूषणों को शाब्दिक-भ्रम क्यों कहा गया है?
7. 'उसे सुख का आभास तो होता था लेकिन दुःख बाँचना नहीं आता था'- कन्यादान कविता के आधार पर भावार्थ स्पष्ट करें।
8. 'कन्या' के साथ 'दान' के औचित्य पर अपने विचार लिखें।
9. वस्त्र और आभूषणों को स्त्रीजीवन के बंधन क्यों कहे गए हैं?
10. 'कन्यादान' कविता की माँ परंपरागत माँ से भिन्न किस प्रकार से है?

कविता 7 : संगतकार

1. कविता के संदर्भ में किसे नौसिखिया कहा गया है और क्यों?
2. संगतकार के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है?
3. संगतकार किन-किन रूपों में मुख्य गायक-गायिकाओं की मदद करते हैं?
4. 'बैठने लगता है उसका गला' का क्या आशय है?
5. मुख्य गायक को ढाढ़स कौन बँधाता है और क्यों?
6. तार ससक क्या है?
7. संगतकार में त्याग की उत्कट भावना भरी है- पुष्टि कीजिए।
8. संगतकार की आवाज़ में एक हिचक-सी क्यों प्रतीत होती है?
9. मुख्य गायक का साथ देने वाले संगतकार की भूमिका के महत्त्व को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।
10. संगतकार जैसे व्यक्ति की जीवन में क्या उपयोगिता होती है?
11. संगतकार द्वारा अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की कोशिश को कवि ने मनुष्यता क्यों कहा है?
12. भटके हुए स्वर को संगतकार कब सँभालता है और मुख्य गायक का इस पर क्या प्रभाव पड़ता है?
13. संगीत में संगतकार की क्या भूमिका होती है? या संगतकार की भूमिका का महत्त्व कब सामने आता है?

पाठ 1 : नेताजी का चश्मा

1. सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे?
2. मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा क्या उम्मीद जगाता है? या बच्चों द्वारा मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा लगाना क्या प्रदर्शित करता है?
3. हालदार साहब इतनी-सी बात पर भावुक क्यों हो उठे?
4. आशय स्पष्ट कीजिए-
"बार-बार सोचते, क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातिर घर-
गृहस्थी-जवानी-जिंदगी सब कुछ होम देनेवालों पर भी हँसती है और अपने लिए बिकने के मौके ढूँढती है।"
5. "वो लँगड़ा क्या जाएगा फ़ौज में। पागल है पागल!"- कैप्टन के प्रति पानवाले की इस टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया लिखिए।
6. 'देशभक्ति भी आजकल मज़ाक की चीज़ होती जा रही है।'— इस पंक्ति में देश और लोगों की किन स्थितियों की ओर संकेत किया गया है?

पाठ 2 : बालगोबिन भगत

1. बालगोबिन भगत के संगीत को जादू क्यों कहा गया है?
2. खेतीबारी से जुड़े गृहस्थ बालगोबिन भगत अपनी किन चारित्रिक विशेषताओं के कारण साधु कहलाते थे?
3. भगत ने अपने बेटे की मृत्यु पर अपनी भावनाएँ किस तरह व्यक्त कीं?
4. बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज का कारण क्यों थी?
5. बालगोबिन भगत प्रचलित सामाजिक मान्यताओं को नहीं मानते थे।
6. बालगोबिन भगत की कबीर पर श्रद्धा किन-किन रूपों में प्रकट हुई है?
7. बालगोबिन भगत प्रगतिशील विचारधारा के थे यह बात कैसे सिद्ध होती है?
8. बालगोबिन भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेला क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी?

9. बालगोबिन भगत की मृत्यु के विषय में क्या मान्यता थी?
10. आशय स्पष्ट कीजिए- 'बुढ़ापा आ गया था किंतु टेक वही जवानी वाली।'
11. क्या साधु की पहचान माला, तिलक तथा गेरुए वस्त्रों होती या आचार-विचार से 'बालगोबिन भगत' पाठ के आधार पर स्पष्ट करें।

पाठ 3 : लखनवी अंदाज

1. नवाब साहब का खीरा खाने का ढंग किस तरह अलग था?
2. नवाब साहब खीरा खाने के ढंग के माध्यम से क्या दिखाना चाहते थे?
3. नवाब साहब ने अपनी खीज मिटाने के लिए क्या किया?
4. लेखक को नवाब साहब के किन हाव-भावों से महसूस हुआ कि वे उनसे बातचीत करने के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं हैं?
5. खीरे के संबंध में नवाब साहब के व्यवहार को उनकी सनक क्यों कहा जा सकता है।
6. नवाब साहब द्वारा सेकंड क्लास में यात्रा करने के क्या कारण हो सकते हैं? अपने अनुमान से बताइए।
7. नवाब साहब ने गर्व से गुलाबी आँखों से लेखक की ओर क्यों देखा?
8. 'लखनवी अंदाज' पाठ नवाब साहब के माध्यम से नवाबी परंपरा पर एक व्यंग्य है। स्पष्ट करें।
9. क्या आज की बदलती परिस्थितियों में नवाब साहब जैसी जीवनशैली का निर्वाह किया जा सकता है? तर्क सहित उत्तर दें।

पाठ 4 : मानवीय करुणा की दिव्य चमक

1. फ़ादर की उपस्थिति देवदार की छाया जैसी क्यों लगती थी?
2. फ़ादर बुल्के का हिंदी प्रेम किस प्रकार प्रकट होता है?
3. लेखक ने फ़ादर बुल्के को 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' क्यों कहा है?
4. आशय स्पष्ट कीजिए- नम आँखों को गिनना स्याही फैलाना है।
5. फ़ादर बुल्के संन्यासी थे, परंतु पारंपरिक अर्थ में हम उन्हें संन्यासी क्यों नहीं कह सकते थे?
6. फ़ादर बुल्के को आपके अनुसार जहरबाद से क्यों नहीं मरना चाहिए था? या फ़ादर बुल्के की यातना भरी मृत्यु पर लेखक के मन में किस प्रकार के भाव उत्पन्न हुए और क्यों?
7. फ़ादर बुल्के भारतीयता में पूरी तरह रच-बस गए? ये हमें कैसे पता चलता है?

पाठ 5 : एक कहानी यह भी

1. 'एक कहानी यह भी' इस आत्मकथ्य में लेखिका के पिता ने रसोई को 'भटियारखाना' कहकर क्यों संबोधित किया है?
2. लेखिका के व्यक्तित्व पर किन-किन व्यक्तियों का किस रूप में प्रभाव पड़ा?
3. मन्नू भंडारी ने अपनी माँ के बारे में क्या कहा है?
4. अंतिम दिनों में मन्नू भंडारी के पिता का स्वभाव शक्की हो गया था, लेखिका ने इसके क्या कारण दिए?
5. लेखिका की माँ उनके लिए आदर्श क्यों नहीं बन सकी? या 'मन्नू भंडारी की माँ त्याग और धैर्य की पराकाष्ठा थी- फिर भी लेखिका के लिए आदर्श न बन सकी?
6. लेखिका के पिता घर में होने वाली बहसों में बैठने को क्यों कहते थे?
7. लेखिका के अपने पिता से वैचारिक टकराहट के कारणों का उल्लेख करें।

8. मनुष्य के जीवन में पड़ोस-कल्चर का अपना ही अलग महत्व होता है परंतु महानगर में रहने वाले लोग प्रायः पड़ोस- कल्चर से वंचित रह जाते हैं इस बारे में अपने विचार लिखिए।
9. 'एक कहानी यह भी' आत्मकथ्य की लेखिका को बचपन में घर की सीमा से बाहर जाने की अनुमति नहीं थी। क्या आज भी लड़कियों की यही स्थिति है?
10. स्वाधीनता आंदोलन में लेखिका की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

पाठ 6 : नौबतखाने में इबादत

1. शहनाई की दुनिया में डुमराँव को क्यों याद किया जाता है? या शहनाई और डुमराँव एक दूसरे के पूरक किस प्रकार हैं?
2. आशय स्पष्ट कीजिए - 'मेरे मालिक सुर बख्श दे। सुर में वह तासीर पैदा कर कि आँखों से सच्चे मोती की तरह अनगढ़ आँसू निकल आएँ।'
3. काशी में हो रहे कौन-से परिवर्तन बिस्मिल्ला खाँ को व्यथित करते थे?
4. बिस्मिल्ला खाँ को खुदा के प्रति क्या विश्वास है?
5. काशी में अभी-भी क्या शेष बचा हुआ है?
6. बिस्मिल्ला खाँ का बालाजी मंदिर से क्या संबंध था?
7. 'तुम लोगों की तरह बनाव-सिंगार देखते रहते तो उमर ही बीत जाती, हो चुकती शहनाई' आशय स्पष्ट करें।
8. बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व की कौन-कौन-सी विशेषताओं ने आपको प्रभावित किया है?
9. बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगल ध्वनि का नायक क्यों कहा गया है?
10. यह कैसे कहा जा सकता है कि बिस्मिल्ला खाँ मिली-जुली संस्कृति के प्रतीक थे?
11. बिस्मिल्ला खाँ को कौन-कौन से सम्मान मिले? उनकी पहचान किस रूप में बनी रहेगी?
12. बिस्मिल्ला खाँ का मुहर्रम से जुड़ाव को अपने शब्दों में व्यक्त करें।

[कृतिका]

पाठ 1 : माता का आँचल

1. 'माता का आँचल' पाठ में ग्रामीण परिवेश का चित्रण किया गया है। आप ग्रामीण जीवन में क्या अंतर पाते हैं?
2. 'माता का आँचल' शीर्षक की उपयुक्तता बताते हुए कोई अन्य शीर्षक सुझाइए।
3. प्रस्तुत पाठ के आधार पर यह कहा जा सकता है कि बच्चे का अपने पिता से अधिक जुड़ाव था, फिर भी विपदा के समय वह पिता के पास न जाकर माँ की शरण लेता है। आपकी समझ से इसकी क्या वजह हो सकती है?
4. माँ को बाबूजी के खिलाने का ढंग पसंद क्यों नहीं था?
5. मूसन तिवारी कौन था? उसे किसने चिढ़ाया और दंड किसे मिला?
6. 'माता का आँचल' पाठ के आधार पर बताइए कि बच्चे माता-पिता के प्रति अपने प्रेम की अभिव्यक्ति कैसे करते हैं?
7. भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना क्यों भूल जाता है?

पाठ 2 : जॉर्ज पंचम की नाक

1. सरकारी तंत्र में जॉर्ज पंचम की नाक लगाने को लेकर जो चिंता या बदहवासी दिखाई देती है वह उनकी किस मानसिकता को दर्शाती है।
2. 'और देखते ही देखते नयी दिल्ली का काया पलट होने लगा'- नयी दिल्ली के काया पलट के लिए क्या-क्या प्रयत्न किए गए होंगे?
3. जॉर्ज पंचम की लाट की नाक को पुनः लगाने के लिए मूर्तिकार ने क्या-क्या यत्न किए?
4. नाक मान-सम्मान व प्रतिष्ठा का द्योतक है। यह बात पूरी व्यंग्य रचना में किस तरह उभरकर आई है? लिखिए।
5. "नयी दिल्ली में सब था... सिर्फ नाक नहीं थी।" इस कथन के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है?

6. दिल्ली की कायापलट क्यों होने लगी?
7. जॉर्ज पंचम की नाक लगने वाली खबर के दिन अखबार चुप क्यों थे?

पाठ 3 : साना-साना हाथ जोड़ि

1. झिलमिलाते सितारों की रोशनी में नहाया गंतोक लेखिका को किस तरह सम्मोहित कर रहा था?
2. गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' क्यों कहा गया?
3. जितेन नार्गे ने लेखिका को सिक्किम की प्रकृति, वहाँ की भौगोलिक स्थिति एवं जनजीवन के बारे में क्या महत्वपूर्ण जानकारियाँ दीं, लिखिए।
4. इस यात्रा-वृत्तांत में लेखिका ने हिमालय के जिन-जिन रूपों का चित्र खींचा है, उन्हें अपने शब्दों में लिखिए।
5. “कितना कम लेकर ये समाज को कितना वापस लौटा देती है।” इस कथन के आधार पर आम जनता की देश की प्रगति में क्या भूमिका है?
6. ‘कटाओ’ पर किसी भी दुकान का न होना उसके लिए वरदान है। इस कथन के पक्ष में अपनी राय व्यक्त करें।
7. देश की सीमा पर बैठे फ़ौजी किस तरह की कठिनाईयों का मुकाबला करते हैं? उनके प्रति हमारा उत्तरदायित्व होना चाहिए? या सैनिकों के जीवन से किन जीवन-मूल्यों को अपनाया जा सकता है?
8. सिक्किम यात्रा के दौरान आदिवासी युवतियों को देखकर लेखिका के मन में क्या विचार उत्पन्न हुए?
9. जितेन नार्गे एक कुशल गाइड किस प्रकार से था?
10. प्रकृति ने जल-संचय की व्यवस्था किस प्रकार की है? ‘साना-साना हाथ जोड़ि’ पाठ के आधार पर लिखें।